(a) corresponding increase in staff strength in stores depots during this period, separately for each depot of Indian Railways and each category of staff separately; and

(b) in case no corresponding increase in staff strength has been made or increase was less, the reasons for not increasing?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). The increase in value of annual issues of stores is not only on account of increase in activities but also on account of cost of materials having gone up during the period 1950-51 to 1976-77. An increase in the value of materials does not warrant proportionate increase in the staff strength. The staff strength is increased taking into account the increase in actual workload, *viz.*, number of items stocked, number and nature of transactions, etc., keeping in view the constraints on creation of additional posts imposed by the Government for achieving economy in expenditure. The ban on creation of posts has not, however, been made applicable for maintenance of new plan assets where new Stores Depots have been set up. The staff strength is being reviewed periodically to see if any increase is called for.

Memorandum from Western Railway Class II Officers Association

2496. SHRI VIJAY KUMAR N. PATIL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Western Railway Class-II Officers Association has submitted a memorandum to the Railway administration regarding changes in promotional policy and rules governing promotions;

(b) if so, details thereof; and

(c) details of action taken on the various demands of the Association?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). A resolution, passed by the Western Railway Class II Officers' Association on 5-2-1979, has been received. The resolution mentions that the Ministry of Railways:

(i) are considering time-bound promotions only to Class I officers;

(ii) are treating Class II service as the culmnating point for Class III employees;

(iii) have ordered regular premature promotions of Assistant Officers, Class I to the District Officers grade on completion of two years service on a working post;

(iv) have changed in December, 1976 the provisions of Code Rules to deny the promotee officers the benefit of promotion; and

(v) are not filling the quota for promotion of Class II officers to Class I service regularly with the result that the promotee officers do not get the benefit of promotion.

A demand has been for determining the promotion quota against posts and not vacancies.

(c) The Resolution, received recently, is under examination.

Speed Governors on Vehicles

2497. SHRI MADHAVRAO SCINDIA: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether in order to eliminate road accidents in Delhi and other parts of the country, Transport Authority of Delhi propose to introduce new measures including installation of speed governors on all vehicles in the near future; and

(b) if so, progress so far achieved in the matter and its effect on road accidents in the recent past?

THE MINISTER OF STATE IN CHARGE OF THE MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI CHAND RAM): (a) The State Transport Authority, Delhi has made it compulsory the installation of speed-governors in stage carriages, including DTC buses and mini buses playing on intra-city routes, in Delhi No. passenger transport vehicle plying in Delhi would be granted certificate of fitness, unless it is fitted with a speed governor.

(b) The speed governors have been installed in 1800 DTC vehicles, 1 mini bus and 26 standard size buses operating under DTC. 4 other vehicles have also been fitted with speed governors.

This measure was introduced only last month. It will take some time, therefore, to assess its impact.

कुनकवाव-बांगसरा लाइन का विस्तार

2498. श्री धर्मसिंह भाई पटेल : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र में जूनागढ़ जिले की श्री व्यापारी एसोसिएशन मेनसन (सोरठ) ने जुलाई, 1978 में उन्हें गुजराती भाषा में एक आवेदन प्रस्तुत किया था जिसमें कुनकवाव-बांगसरा रेल लाइन का मानेक वाडा-धारी गुडाली-मेनसारी बिल्खे तक विस्तार किये जाने की मांग की गई है ;

(ख) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है तथा उसमें क्या मांगें की गई हैं ;

(ग) क्या सरकार ने उपर्युक्त रेल लाइन के विस्तार के बारे में अब तक कोई निर्णय लिया है यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ङ) श्री व्यापारी एसोसिएशन, मेनसन (सोरठ) द्वारा की गई उक्त मांग को जिससे तीन ताल्लुकों अर्थात् मेनसन (सोरठ) जूनागढ़ और बांगसरा-कुन कावाव के लगभग तीन लाख लोगों को लाभ होगा, कब तक और कैसे पूरा किया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): (क) से (ङ). व्यापारी एसोसिएशन, मेनसन (गुजरात) ने मांग की है कि कुनकवाव-बांगसरा मीटर लाइन मानकवाड़ा-मेंदसारी और धारी गुंडाली के रास्ते बिलखा तक बढ़ा दी जाये। कुनकवाव-बांगसरा तथा जूनागढ़-बिसावदर दोनों लाइनों पर, जिनको मिलाने का प्रस्ताव किया गया है, यातायात कम है, प्रत्येक ओर लगभग 2-3 गाड़ियों के बराबर तथा इसके बढ़ने की अधिक संभावना भी नहीं है। इस बात को ध्यान में रखकर तथा सीमित मात्रा में धन उपलब्ध होने के कारण प्रस्तावित विस्तार औचित्यपूर्ण नहीं है।

हापा रेलवे स्टेशन पर कुओं में खारी पानी

2499. श्री धर्मसिंह भाई पटेल: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पश्चिम रेलवे पर जामनगर जिले में हापा रेलवे स्टेशन पर तथा गांवो में कुओं में पानी खारी हो गया है जो पीने तथा इंजनो मे प्रयोग किये जाने के उपर्युक्त नही है ;

(ख) हापा रेलवे कालोनी में क्वार्टरों की संख्या कितनी है और इन परिवारो और इंजनों की पानी की दैनिक आवश्यकता कितनी है ;

(ग) क्या इस रेलवे कालोनी के निवासियों के पीने के लिये और इंजनों के लिए पानी की सप्लाई हेतु कोई योजना तैयार की गई है और यदि नही, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(घ) जामनगर से सरकारी रेलवे ड्यूटी पर हापा आने वाले कर्मचारियों और हापा रेलवे कालोनी के निवासियो को पीने के लिये तथा इंजनों में उपयोग के लिये पानी कब और कैसे उपलब्ध कराया जायेगा ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) (क) से (घ). हर वर्ष जनवरी से हापा रेलवे स्टेशन के रेलवे क्षेत्र में कुओं/नलकूपों में जल स्तर घट जाता है और पानी अरुचिकर हो जाता है तथा पीने और खाना पकाने के लिए उपयुक्त नहीं रहता। लेकिन, वर्षा शुरू होने पर इन स्रोतों का पानी पुनः पीने योग्य हो जाता है।

हापा रेलवे कालोनी में 465 क्वार्टर हैं तथा यहां के निवासियों के दैनिक उपयोग के लिए लगभग 90,000 लिटर पानी की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त, लगभग 3.46 लाख लिटर पानी रेल इंजनों के लिए अपेक्षित है। हर वर्ष गर्मियों के दौरान यहां के निवासियों को पीने तथा भोजन पकाने के लिए पानी ठेके पर प्राइवेट साधनों से प्राप्त करके सप्लाई किया जाता है। लेकिन, रेल इंजनों को पानी की सप्लाई रेलवे स्रोतों से ही की जाती है जिसके लिए जल को सोडा एश का प्रयोग करके साफ्टनिंग संयंत्र में हलका कर लिया जाता है।

गर्मियों के दिनों में अपने ही साधनों से पेय जल की आवश्यकताएं पूरी करने तथा जल की सप्लाई में